तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र

प्रह्लाद अग्रवाल

प्रदत्त कार्य-1 : राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फ़िल्मों की सूची बनाना।

विषय : पिछले दस वर्षों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्मों की सूची।

उद्देश्य :

- भारतीय फ़िल्मों के स्वरूप से परिचित करवाना।
- राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फ़िल्मों का ज्ञान।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।
- स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. शिक्षक द्वारा कुछ राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फिल्मों के नाम बताए जाएंगे। जैसे – अंकुर, अर्द्धसत्य, पाथेर पांचाली...
3. प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा कम से कम दस फिल्मों के नाम चुने जाएंगे वे किसी भी भाषा के हो सकते हैं।
4. विद्यार्थियों को मूल्यांकन का आधार पहले ही स्पष्ट कर दिया जाएगा।
5. कार्य पूरा करने के लिए एक दिन का समय दिया जाएगा।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- फिल्मों की सूची के आधार पर / फिल्मों के विषय के आधार पर भी

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- बहुत सारी जानकारियाँ एक जैसी हो सकती हैं। विशिष्ट जानकारी की सराहना की जाए।
- कार्य पूर्ण न करने वाले छात्रो को प्रेरणा एवं सहयोग।

प्रदत्त कार्य-2 : परिचर्चा

विषय : पहले की फिल्मों और वर्तमान फिल्मों में समानता और अंतर।

उद्देश्य :

- विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति व चिंतन-मनन की क्षमता का विकास।
- फिल्म की सर्वश्रेष्ठता के संदर्भ में विभिन्न मापदंडों की पहचान।
- फिल्मों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास।
- अभिव्यक्ति कौशल का विकास।

निर्धारित समय : दो या तीन कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य (5-6 विद्यार्थियों का एक समूह)
2. पाठ आरंभ करने से पूर्व यह कार्य करवाया जा सकता है।
3. सर्वप्रथम शिक्षक कुछ पुरानी तथा कुछ नई फिल्मों के उदाहरण देकर छात्रों से उनके विषय में चर्चा करें तथा कार्य से अवगत कराएं।
4. फिल्मों में समानता व अन्तर बताने के लिए छात्रों को विभिन्न आधार बताएं जैसे - गीत, संगीत, पटकथा, संवाद, अभिनय, अभिनेता, कलात्मकता इत्यादि...।
5. कार्य को करने के लिए प्रत्येक समूह को 10-15 मिनट का समय दिया जाए। अध्यापक कार्य का निरीक्षण करें तथा मार्गदर्शन भी करें।
6. प्रस्तुतीकरण के लिए प्रत्येक समूह को 2-3 मिनट का समय दिया जाए।
7. प्रत्येक समूह का एक विद्यार्थी विचाराभिव्यक्ति करे। इस समय अन्य समूह के छात्र तथा शिक्षक अभिव्यक्ति का मूल्यांकन करें।
8. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट लिखकर दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- अधिकतम समानता व अंतर
- शब्द चयन व सटीक वाक्य रचना

- उच्चारण की शुद्धता व स्वर की स्पष्टता
- समूह में सहभागिता
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- समूह में सक्रिय योगदान व कार्य की पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक विद्यार्थी की सराहना की जाए।
- कार्य की अपूर्णता के संदर्भ में छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए पूर्ण करने की प्रेरणा दें।
- समानता व अंतर को लिपिबद्ध कर सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करें।
- समूह के कार्य की समग्रता के आधार पर अंक-निर्धारण करें।

प्रदत्त कार्य-3 : कार्य-प्रपत्र

विषय : साहित्यिक रचनाओं पर आधारित फिल्मों की सूची।

उद्देश्य :

- साहित्यिक रचनाओं पर आधारित फिल्मों का ज्ञान।
- फिल्म निर्माण में साहित्य के योगदान का परिचय।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास एवं ज्ञान का विस्तार।
- स्वाध्याय की प्रेरणा।
- चिंतन एवं मनन।

निर्धारित समय : एक या दो कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक कुछ ऐसी रचनाओं के विषय में बताएं जिन पर फिल्में बनी हैं।
3. कार्य से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को दो दिन पूर्व ही दे दी जाए।
4. कार्य-प्रपत्र का प्रारूप श्यामपट्ट पर लिख दिया जाए।

कार्य प्रपत्र

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	साहित्यिक रचना	भाषा	रचनाकार
1.	.....	.....	.....	.....
2.	.....	.....	.....	.....
3.	.....	.....	.....	.....
4.	.....	.....	.....	.....
5.	.....	.....	.....	.....
6.	.....	.....	.....	.....
7.	.....	.....	.....	.....
8.	.....	.....	.....	.....
9.	.....	.....	.....	.....
10.	.....	.....	.....	.....

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- सूचनाओं की संख्या

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सम्पूर्ण सूचना सही देने वाले की सराहना की जाएगी।
- त्रुटियों को सुधारने का प्रयास किया जाएगा।
- विद्यार्थियों से प्राप्त सही जानकारी को श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।

स्पष्ट करें अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं के साहित्य पर आधारित फिल्मों की सूची बच्चे एकत्रित कर सकते हैं।

जैसे –

1. निर्मला, गबन (हिंदी) प्रेमचंद
2. आंधी, काली, आंधी (हिंदी) कमलेश्वर
3. कुली, कुली (अंग्रेजी) मुल्कराज आनंद

4. गाइड (गाइड) (अंग्रेजी) आर. के. नारायण

5. (पिंजर) पिंजर (पंजाबी) अमृता प्रीतम

प्रदत्त कार्य-4 : परियोजना कार्य

विषय : भारतीय संस्कृति को परिलक्षित करने वाले 10 फिल्मी गीतों (मुखड़ों) का संकलन।

उद्देश्य :

- भारतीय संस्कृति से परिचय व जुड़ाव।
- फिल्मों के संदर्भ में भारतीय संस्कृति का स्थान व महत्ता से परिचय।
- जिज्ञासु प्रवृत्ति व स्वाध्याय का विकास।
- लेखन व वाचन कौशल का विकास।
- जानकारियां एकत्रित करने के प्रति अभिरुचि।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. यह कार्य पाठ समाप्त होने पर करवाया जाए।
3. सर्वप्रथम शिक्षक उदाहरण स्वरूप कुछ ऐसे गीतों का उल्लेख करे जिसके द्वारा भारतीय संस्कृति का कोई पक्ष सामने आए जैसे – "है प्रीत जहां की रीत सदा.....।"
4. दो दिन पूर्व विद्यार्थी को कार्य से परिचित करवाते हुए आवश्यक जानकारियां एकत्रित करने का निर्देश दें। विद्यार्थी कार्य से संबंधित कुछ चित्र भी एकत्रित कर सकते हैं।
5. दो दिन पश्चात् कक्षा में ही छात्रों से उपरोक्त कार्य करवाया जाए। इस कार्य के लिए उन्हें 10–15 मिनट का समय दिया जाए।
6. यह कार्य एक पृष्ठ पर करवाया जाए। गतिविधि के दौरान अध्यापक प्रत्येक छात्र के कार्य पर दृष्टि रखें।
7. कार्य से पूर्व छात्रों को मूल्यांकन के आधार तथा अंकों के विषय में अवगत करवाया जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- गीतों का संकलन

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य पूर्ण करने वाले सभी छात्रों की सराहना की जाए।
- कार्य में कमी रह जाने पर उसे पूर्ण करने हेतु छात्र को प्रोत्साहित करें।
- कुछ चुने हुए गीतों का गायन भी कक्षा में करवाया जा सकता हैं।
- श्रेष्ठ गीतों को लिपिबद्ध करवा कर सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करें।

प्रदत्त कार्य-5 : रचना के आधार पर वाक्य भेद।

विषय : पाठ में से सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्य छाँटिए।

उद्देश्य :

- रचना के आधार पर वाक्य भेद स्पष्ट करना।
- भाषा को व्याकरण सम्मत बनाना।
- व्याकरण को सरल एवं रोचक बनाना।
- लेखन एवं वाचन कौशल में दक्षता लाना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. अध्यापक कक्षा को वाक्य के भेदों की जानकारी देगा।

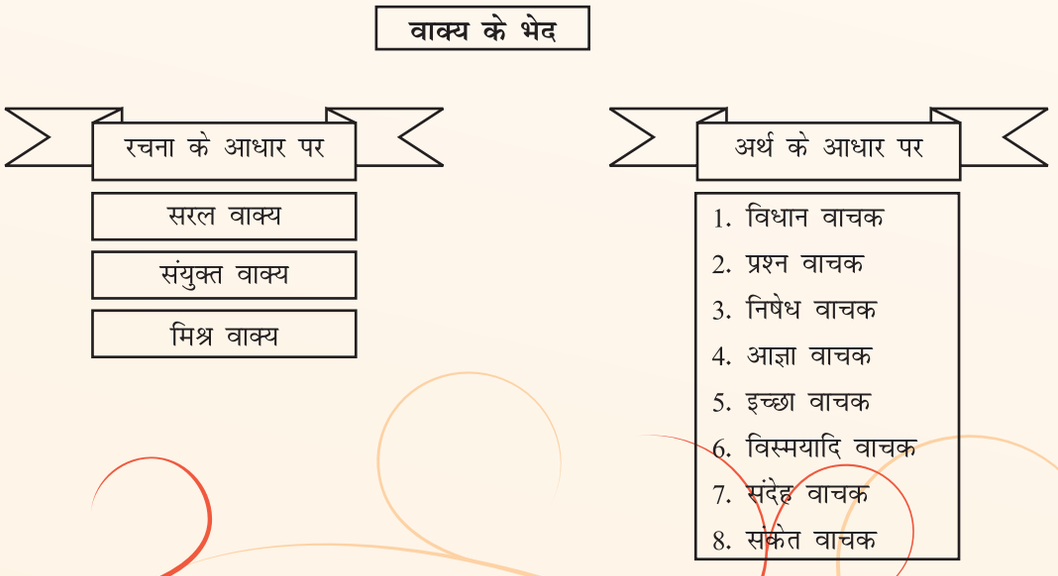

2. अध्यापक श्यामपट्ट पर पाठ में आए सरल, मिश्र और संयुक्त वाक्य लिखेगा।

3. जानकारी देने के बाद छात्रों को पाठ में आए रचना के आधार पर वाक्य छाँटने का कार्य दिया जाएगा।

4. इसमें 10–15 मिनट का समय लगेगा।

5. मूल्यांकन के आधार बिन्दु श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएँगे।

6. अध्यापक सही उत्तर बताकर साथ के साथ मूल्यांकन करा सकता है।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सभी उत्तर सही देने वाले विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- जिस विद्यार्थी के ज्यादातर उत्तर सही न हो उसे फिर से वर्गीकरण समझाने का प्रयास किया जाए।